Jagdish Chandra Gupta

DOB 2 | 07 | 1951

9829167950

5/392 S.H.S. Colony, Agarwal Farm, Mansarowar, Jaipur

Achievement: MD (Radiogiagnosis) 1990

Spouse
Mrs. Sandhya Rani Gupta
DOM: 4 | 05
R.Ac.S.
Sr. Accounts Officer, Lok lumbish Parishad, Jaipur

Daugther
Nikeeta Gupta

Son
Siddharth Gupta

Memories

प्रेरणा एक गृहणी से

मैं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नारदेडा पर चिकित्सा अधिकारी प्रभारी के पद पर कार्यरत था। ज्यादातर समय परिवार कल्याण कार्यक्रम में व्यय होता था। रात को २ बजे तक नसबन्दी केम्प से वापिस आता था। मेरी पत्नी ने सोचा में खाली समय में क्या करुं। उसने आर.ए.एस. की परीक्षा देने की सोची। पत्नी ने बी.एससी, एम.ए. (इंग्लिश लिट्रे.) में कर रखा था। उसका इंग्लिश मिडियम होने के कारण गॉंव में किताबे मिलना मुश्किल था। यह सोच कर वह मद्रास गई। और अपनी बहिन के आर्ट की इंग्लिश मिडियम की किताब लेकर तैयारी शुरु कर दी। कभी-कभी कुछ पढ़ लेती। बी.एससी होने के बावजूद भी आर्ट से विषय चुने एवं तैयारी की। मैं सोचता था कि शादी के 12 साल हो गये। अब क्या तैयारी करके आर.ए.एस. बन पाएगी। परन्तु जब मनुष्य कोई काम को ठान ले तो कुछ भी मुसीबत नहीं है। फिर हम नारदेडा से जयपुर परीक्षा देने आये होटल में रुके। एक छोटा कस्बा था। फिर सुबह परीक्षा देने जाते। फिर पत्नी का सलेक्शन आर.ए.एस. में हुआ तो एक खुशी की लहर आ गई। सभी को अचम्भा हुआ कि शादी के 12 साल बाद परीक्षा देना, वह भी बी.एससी होकर आर्टस के विषय चुनना व परीक्षा में सलेक्शन हो जाना। सभी को बहुत खुशी हुई।

वो भी क्या दिन थे

मेरा पीएमटी में सलेक्शन हुआ था। मेरा मेडिकल चेक होना था। मैं जब एसएमएस हॉस्पिटल में एक्स-रे कराने गया तो वहाँ पर बहुत सारे दोस्त मिले। सभी एक्स-रे कराने के लिये लाइन में खडे थे। तो वहाँ बॉस लोग आ गये। उन्होंने सभी को गालियाँ सुनाई व पकड कर सीनियर ब्वायज हॉस्टल में ले गये। परेड के लिये सभी ने पेन्ट, शर्ट उतारे तो सभी की नजरे नीचे थी। तभी एक सहपाठी ने जब पेंट उतारी तो देखा लाल रंग की लंगोट पहन रखी थी। तो बॉस ने कहा वाह हनुमान जी तू तो पेड़ पर चढ़ जा। उसकी लंगोट में पीछे पेड की डाली लगा दी। उसे पेड़ पर चढ़ा दिया सभी से कहा डाक्टरों सभी हनुमान जी को नमस्कार करो। यह देख कर सभी की हँसी फूट पडी। वह दिन मुझे अब भी याद है।